R.N.I. No. RAJHIN/2020/79075

कागज़ की कश्ती

पाक्षिक समाचार पत्र

मो. 9829250181
ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com
सम्पादक : शिवकुमार शर्मा

वर्ष - 6 | अंक - 22 | किशनगढ़, शुक्रवार, 22 मई 2026 | कुल पृष्ठ - 4 | (पाक्षिक) | मूल्य रु. 360/- (वार्षिक)

वीडी सतीशन बने केरल के नए मुख्यमंत्री, 20 मंत्रियों के साथ ली शपथ

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ 20 अन्य विधायकों को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इन सभी को यहां सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्री पद की शपथ लेने वालों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला तथा के मुरलीधरन, केपीसीसी प्रमुख सनी जोसेफ, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता पीके कुन्हालीकुट्टी सहित अन्य नेता शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इनके अलावा समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री नेता पिनाराई विजयन तथा कुछ अन्य दलों के नेता भी मौजूद थे।

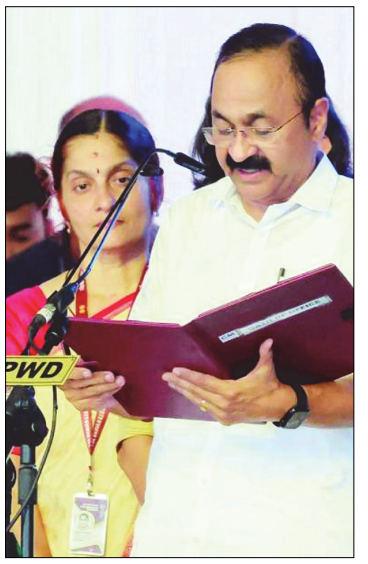

मुख्यमंत्री वीडी सतीशन के नेतृत्व वाली नवगठित केरल सरकार की पहली मंत्रिमंडल बैठक में कई बड़े जनकल्याणकारी उपायों को मंजूरी दी गई। इनमें 15 जून से केएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए निःशुल्क यात्रा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग विभाग की स्थापना तथा आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि शामिल है। नई सरकार के शपथ ग्रहण के कुछ घंटों के भीतर ही 'इंदिरा गारंटी' अभियान के प्रमुख वादों को लागू करने की दिशा में यूडीएफ सरकार का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी.डी. सतीशन को केरल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और नई राज्य सरकार को केंद्र की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

राजस्थान को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में विश्व स्तर पर मिला प्रथम सम्मान

जयपुर। राजस्थान ने तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से वर्ष 2026 के वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड के तहत राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्व स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया है। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में राजस्थान को यह प्रतिष्ठित सम्मान डब्ल्यूएचओ की ओर से वर्ष 2025-26 में तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर दिया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य सरकार की जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता, प्रभावी नीतियों तथा तम्बाकू मुक्त राजस्थान के संकल्प का परिणाम है।

राज्य सरकार आमजन विशेषकर युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। यह सम्मान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन, चिकित्सा कर्मियों एवं सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है।

आम जन की सुरक्षा के लिए खतरनाक आवारा कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दे सकते हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के अपने पिछले आदेश में बदलाव से इनकार करते हुए कहा है कि कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं और इनके हमलों में बच्चें, बुजुर्ग घायल हुए हैं और यहां तक कि विदेशी यात्रियों को भी कुत्तों के हमलों का सामना करना पड़ा है। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन वी अंजारिया की पीठ ने नवंबर 2025 में जारी निर्देशों में संशोधन की मांग वाली विभिन्न याचिकाओं को मंगलवार को खारिज कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने मानव जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाले पागल और खतरनाक कुत्तों को दयामृत्यु (यूथेनेशिया) देने की अनुमति भी दी। पीठ ने पशु प्रेमियों और पशु अधिकार संगठनों की याचिकाओं पर कुत्तों को हटाने संबंधी अपने पिछले आदेश में बदलाव करने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि नसबंदी के बाद भी इन कुत्तों को दोबारा उसी स्थान पर नहीं छोड़ा जाएगा। शीर्ष अदालत ने आदेश का पालन नहीं करने पर अवमानना कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों से पकड़े गए आवारा कुत्तों को आश्रय गृहों में रखा जाए और उन्हें दोबारा उसी स्थान पर न छोड़ा जाए। शीर्ष अदालत ने लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया।

प्रमुख बातें कोर्ट की

- प्रत्येक जिले में एक एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बनाया जाए।
- जहां आवारा कुत्ते ज्यादा है वहां जरूरत के हिसाब से एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए।
- राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें।
- एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- एनएचआईए नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए। जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों का इस्तेमाल कर उन्हें हटाना। इसकी मॉनिटरिंग भी करे।
- रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक कुत्तों को कानून के तहत और जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे।
- कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निगम और सरकारी अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए। सामान्य तौर पर उनके खिलाफ एफआईआर और सख्त कार्रवाई न की जाए।

समाचार पत्र की खबरों का स्रोत

समाचार पत्र के संवाददाता, PRO Ajmer, DIPR Jaipur, PIB Jaipur, दूरदर्शन भारत के माध्यम से तथा अन्य स्रोतों से समाचार पत्र की खबरों का प्रकाशन किया जाता है।

सम्पादक

SHRI RATANLAL KANWARLAL PATNI GIRLS' COLLEGE, KISHANGARH
(PG College Affiliated to M.D.S. University, Ajmer)

B.A. | B.Com. (Pass Course & Hons.)
B.Sc. (Bio., Mathematics & Home Science)
BBA | BCA (AICTE Approved)
B.Sc.B.Ed. | B.A.B.Ed.*
(4-Year Integrated Programmes)
*Admission through PTET only
M.A. (Geography, Home Science & Hindi)
M.Sc. (Mathematics & Zoology)
M.Sc. (Computer Science)

All Govt. Scholarships Available
Attractive Rebate Policy up to 75% for Meritorious Students

NSS | NCC | Scouts & Guides (Rangers) | UBA | RKCL Courses
Sports Academy | Competitive Exam Preparation Classes
Counselling Sessions Available | Hostel Facilities Available Nearby

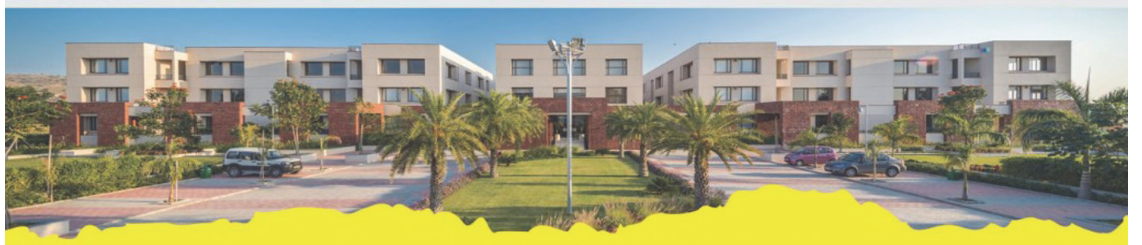

Ajmer Road, Madanganj-Kishangarh, 305801, District - Ajmer (Rajasthan)
Tel.: +91 1463 257000, WhatsApp @ +91 70730-77222
E-mail: info@rkgirlscollege.edu.in, Web: www.rkgirlscollege.edu.in

शादी में दूल्हे का क्लीन शेव अनिवार्य, गुर्जर समाज की महापंचायत का बड़ा फैसला

पाली। पाली जिले के देवडूंगरी भगवान देवनारायण मंदिर परिसर में 16 मई को हुई गुर्जर समाज की महापंचायत ने सामाजिक सुधार की दिशा में एक ऐसा फैसला लिया है, जो अब गांव-गांव चर्चा का विषय बन गया है। समाज ने साफ कह दिया है कि शादी में दूल्हा क्लीन शेव होकर ही बैठेगा। दाढ़ी रखकर आने वाले दूल्हे को न दुल्हन मिलेगी, न बारात में समाजजन शामिल होंगे और न ही ऐसे आयोजन को सामाजिक मान्यता दी जाएगी।

पाली, जोधपुर, जालोर, नागौर और ब्यावर जिलों से आए पंच-पटेलों, प्रतिनिधियों और समाजबंधुओं की मौजूदगी में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। महापंचायत का मूल संदेश यह था कि शादी-ब्याह अब दिखावे, खर्च और होड़ का मंच नहीं रहेंगे, बल्कि सादगी, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के अवसर बनेंगे।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज को अब अपनी ऊर्जा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण पर लगानी होगी। शादी में लाखों रुपए खर्च कर देने से न परिवार मजबूत होता है, न समाज। इसके बजाय वही पैसा बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शिक्षा, युवाओं के करियर और जरूरतमंद परिवारों की मदद में लगे तो समाज सचमुच आगे बढ़ेगा। महापंचायत ने मृत्यु भोज जैसी खचीर्ली परंपराओं को भी बंद करने का निर्णय लिया। समाज का मानना है कि शोक के समय दिखावा मानवीय संवेदना के विरुद्ध है। नियम तोड़ने वालों पर 2.51 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सामाजिक बहिष्कार और कार्यक्रम बहिष्कार भी किया जाएगा। समाज प्रतिनिधियों ने कहा कि यह निर्णय किसी पर दबाव बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज को फिजूलखर्ची से निकालकर शिक्षा, एकता और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने के लिए है। अब इन फैसलों को गांव-गांव बैठकों और संवाद के माध्यम से लागू कराया जाएगा। इस तरह की मांगें समाज में काफी समय से थी।

करोड़ों के आईपीएल किक्रेट सट्टे व बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

गिरफ्तार आरोपी एवं पुलिस द्वारा जब्त किए गए उपकरण व वाहन।

शिवकुमार शर्मा

किशनगढ़। (कागज की कश्ती)। आईपीएल क्रिकेट मैचों के तहत जुआ-सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अजमेर रेंज आईजी राजेंद्र सिंह और जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए का सट्टे के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। जिला स्पेशल टीम और संबंधित थाना पुलिस ने दो संयुक्त बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस टीम ने दोनों कार्रवाई डीएसटी प्रभारी शंकर सिंह रावत को मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर की। सट्टेंबाजों के खिलाफ हुई कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में सटोरियों में हड़कंप मच गया। कुछ भूमिगत हो गए तो कुछ ने मोबाइल स्वीच ऑफ कर अज्ञातवास का रास्ता पकड़ लिया।

डीएसटी टीम एवं गेगल पुलिस ने दाता गांव रिसॉर्ट में छापा मारकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच चल रहे आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते और लगवाते हुए तीन खाईवालों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लाखों के लेनदेन का हिसाब, नगदी और लग्जरी गाड़ियां बरामद की गई हैं। एसपी हर्ष वर्धन अग्रवाला ने बताया कि 17 मई को डीएसटी प्रभारी शंकरसिंह रावत को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लालचंद कायल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वृताधिकारी रामचन्द्र के सुपरविजन में गेगल थानाधिकारी नरपतराम बाना व डीएसटी एएसआई शंकरसिंह के नेतृत्व में टीम ने रिसॉर्ट में दबिश दी। रिसॉर्ट के अंदर बने एक कंटेनर रूम में तीन युवक टैबलेट और मोबाइल फोन के जरिए मैच पर दांव लगवा रहे थे। पुलिस ने मौके से आरोपी आजाद नगर निवासी सूर्यकान्त (33), हनी उपाध्याय (30) एवं आखरी निवासी विकास (28) को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों एक लाइन लेकर यह सट्टा चलाने की बात कहने पर पुलिस ने जांच को विस्तृत रूप देते हुए उनकी तलाश शुरू की दी है। टेबलेट की जांच करने पर इसमें रोजाना करोड़ों रुपये के लेनदेन और प्रति-दिन लाखों रुपयों की हार-जीत का हिसाब मिला है।

पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण और वाहन जब्त किए हैं, जिनमें नगद राशि 41 हजार 730 रुपए, 1 महिंद्रा थार और 1 हुंडई एक्स्टर कार, गैजेट्स में 1 टैबलेट, 7 एंड्रॉइड व आईफोन मोबाइल हैंडसेट, 1 चार्जर मय लीड, 1 पावर बैंक बरामद किया गया। इसके अलावा 1 हिसाब-किताब की डायरी, 2 हिसाब की कॉपियां भी बरामद की गई है। जिसके आधार पर पुलिस जांच कर आगे के बुकियो का पता लगाने में जुट गई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ बी.एन.एस. की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला स्पेशल टीम से एएसआई शंकरसिंह रावत, हेडकांस्टेबल महिपालसिंह, कालूराम मीणा, कांस्टेबल रामनिवास, राजेश, कालूराम गुर्जर, जितेंद्र, गजेंद्र व चालक ईश्वर शामिल रहा। वही पुलिस थाना गेगल टीम से सीआई नरपतराम बाना, एएसआई देवकरण, गोविंदराम, हेडकांस्टेबल रामपाल, कांस्टेबल रिश्वेंद्रसिंह, रडमल, बलवीर, मदनगंज से हेडकांस्टेबल सांवरलाल एवं सीताराम शामिल रहे। इसी प्रकार अजमेर जिला स्पेशल टीम और मदनगंज थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ बड़ा शिकंजा कसा है। पुलिस ने मदनगंज के मुख्य बाजार स्थित एक होटल के कमरे में दबिश देकर आईपीएल मैच पर लाखों रुपए की खाईवाली और लगाईवाली करते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से सट्टे में प्रयुक्त एलईडी टीवी, सेट-ऑफ बॉक्स, 5 मोबाइल और लाखों के सट्टे का हिसाब-किताब लिखी नोटबुक बरामद की है। अजमेर रेंज आईजी राजेंद्र सिंह और जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देश पर जुआ-सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। एसपी के अनुसार डीएसटी प्रभारी शंकरसिंह रावत को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि मदनगंज क्षेत्र की होटल के एक कमरे में लाखों का क्रिकेट सट्टा चल रहा है। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) लालचन्द कायल और सहायक पुलिस अधीक्षक (किशनगढ़ शहर) डॉ. अजय सिंह राठौड़ आईएएस के सुपरविजन में मदनगंज थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह और डीएसटी प्रभारी शंकर सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने होटल के रूम नंबर 403 में अचानक दबिश दी। होटल के कमरे में जब पुलिस दाखिल हुई, तो वहां एलईडी टीवी पर दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच चल रहे आईपीएल मैच पर क्रिकेट गुरु ऐप के जरिए सट्टे की खाईवाली-लगाईवाली की जा रही थी। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपी आजाद नगर निवासी दिनेश (30) एवं ओमप्रकाश (39) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी मोबाइल फोन के जरिए राजस्थान के अलग-अलग शहरों के सटोरियों से लाइन लेते थे। पुलिस को बरामद नोटबुक में लाखों रुपए के लेन-देन का हिसाब मिला है। आरोपी खुद तो लाखों की खाईवाली करते ही थे, लेकिन जब सौदा इनकी क्षमता से बड़ा हो जाता था, तो ये लाइन के जरिए आगे अन्य बड़े सटोरियों को सौदा नोट करवा देते थे। पुलिस टीम ने मौके से सट्टेबाजी में इस्तेमाल हो रहा सामान जब्त कर लिया है, जिसमें एक एलईडी टीवी, सेट बॉक्स, 5 हेंडसेट, 1 मोबइल चार्जर, हिसाब किताब की नोटबुक, व 4 हजार 20 रुपए नकद बरामद किए। मदनगंज थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे का अनुसंधान शुरू कर दिया है।

राज्यपाल ने देवनानी संग विधानसभा का नया लोगो किया जारी, 13 द्वारों का किया नामकरण

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह जारी किया। साथ ही विधानसभा के 13 द्वारों के नामकरण की पट्टिका का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश में विश्वविद्यालयों को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कई विश्वविद्यालयों में दो-तीन साल से छात्र ही नहीं है। वे नाम के रह गए हैं, कागजों में ही चल रहे हैं। जबकि कुलपति, रजिस्ट्रार और अन्य अधिकारी नियुक्त हैं। ऐसे विश्वविद्यालयों को या तो बंद कर देना चाहिए या फिर उन्हें दूसरे विश्वविद्यालयों-कॉलेजों में मर्ज कर देना चाहिए। विधायक भी वोट कटने के डर से बोलते नहीं है। उन्हें आवाज उठानी चाहिए। एक विश्वविद्यालय को विभाजित कर कई नए विश्वविद्यालय बना देने से संसाधन और आय भी बंट गई है, जिससे प्रबंधन पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा है। कई दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडलिस्ट-टॉपर छात्रों से पूछा तो वे यूपीएससी-आरपीएससी के प्रति उत्साहित नहीं। डर है कि सफल नहीं हो पाएंगे, मुख्य कारण शिक्षा की बुनियाद कमजोर होना है। देवनानी ने कहा कि विधानसभा के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव की भी शुरुआत हुई है। विधानसभा करोड़ों नागरिकों की आशाओं का केंद्र है। अशोक स्तंभ, गोडावण, खेजड़ी और ऊंट जैसे प्रतीक संस्कृति, लोकमंगल और संघर्षशीलता को दर्शाते हैं।

लोगो में लिखा राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका, विधानसभा का आत्म मंत्र है, जो जनसेवा, न्याय और संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रवेश द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार, बाहरी द्वारों को बृज, शेखावाटी, वागड़, मेवाड़, मारवाड़, हाड़ौती, मारवाड़ और ढूंढाड़ के नाम दिए गए हैं। कार्यक्रम में संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई मंत्री, विधायक भी मौजूद रहे।

दीवार दुरुस्त करने के दौरान 110 फीट गहरे कुएं में गिरे दो मजदूर, हुई दर्दनाक मौत

शिवकुमार शर्मा

कागज की कश्ती/किशनगढ़। अरांई क्षेत्र के डांग गांव में शुक्रवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। यहाँ एक कुएं के सुदृढ़ीकरण और आंतरिक दीवार (चिनाई) के निर्माण कार्य के दौरान चाली-बल्ली का अस्थाई ढांचा अचानक असंतुलित हो गया। संतुलन बिगड़ने से कुएं के भीतर काम कर रहे दो मजदूरों की गहराई में गिरने से मौत हो गई। यह कुआं करीब 110 फीट गहरा है।

डांग गांव में अरांई रोड स्थित तालाब के पास नन्दलाल दूधवाल का एक कुआं है, जिसमें अंदरूनी दीवार निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक पैर रखने वाली चाली-बल्ली का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सीधे गहरे कुएं में जा गिरे। कुएं में पानी अधिक होने और गहराई लगभग 110 फीट (नीचे चौड़ाई करीब 50 फीट) होने के कारण दोनों शव तुरंत दिखाई नहीं दिए। ग्रामीणों ने तुरंत तीन मोटर और पम्पसेट लगाकर पानी निकालने का प्रयास किया, लेकिन दो घंटे की मशक्कत के बाद भी पानी सिर्फ तीन-चार फीट ही कम हो पाया।

घटना की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। एसडीआरएफ के जवान राजेश कुमार ने बताया कि टीम के गोताखोरों ने ऑक्सीजन सिलेंडर और सुरक्षा उपकरणों से लैस होकर कुएं में सघन तलाशी अभियान चलाया। अशोक जाट का शव कुएं की गहरी तली में एक भारी वस्तु के नीचे दबा हुआ था, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। तेजू बैरवा का शव तली में अशोक के शव से करीब छह फीट दूर मिला।दोपहर करीब 2:30 बजे शुरू हुआ यह रेस्क्यू ऑपरेशन दोपहर 3:45 बजे पूरा हुआ। दोनों शवों को कुएं से बाहर निकालते ही मौके पर मौजूद परिजनों और ग्रामीणों की आँखें नम हो गईं और पूरे गांव में मातम पसर गया। शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अरांई ले जाया गया, जहाँ पोस्टमार्टम के बाद उन्हें परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। मृतक तेजू बैरवा के दामाद पप्पू बैरवा ने बताया कि उनके ससुर पिछले करीब 40 वर्षों से कुओं की अंदरूनी दीवार की चिनाई का कार्य कर रहे थे। उनके इसी लंबे अनुभव के कारण क्षेत्र में उन्हें विशेष रूप से ऐसे जोखिम भरे कार्यों के लिए बुलाया जाता था। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। इनमें एसडीएम नीतू मीणा, सीओ ग्रामीण आयुष वशिष्ठ, अरांई थाना एएसआई छोटूलाल मीणा, तहसीलदार प्रेमसुख वैष्णव, भामोलाव प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ. मुकेश शर्मा, विकास अधिकारी शिवदान सिंह के अलावा भाजपा नेता सुभाष चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवरतन सिंह, महामंत्री जतन चौधरी और पूर्व मंडल अध्यक्ष निर्मल भण्डिया भी मौके पर पहुंचे। भाजपा नेता ने अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पीड़ितों को हरसंभव सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। मृतक अशोक जाट अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। बड़ा बेटा करीब पांच वर्ष का है, जबकि छोटा बेटा तीन साल का है जो शारीरिक रूप से अक्षम बताया जा रहा है।

स्वामी व प्रकाशक शिवकुमार शर्मा के लिए मुद्रक गजेन्द्र के. बोहरा द्वारा नितिन प्रिन्टर्स, बंगाली गली, कचहरी रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित एवं कार्यालय नन्द निकुंज, जैन स्थानक गली, शिवाजी नगर, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) से प्रकाशित। सम्पादक : शिवकुमार शर्मा मो. 9829250181, ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

यदि आप इस बात की चिंता न करें कि आपके काम का श्रेय किसे मिलने वाला है तो आप आश्चर्यजनक कार्य कर सकते हैं।

-हैरी एस. ट्रूमेन

सम्पादकीय

शुक्रवार, 22 मई 2026

बदलाव का जनादेश

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं बल्कि ये देश की राजनैतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल

पर अपना निर्णय सुना रहा है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनैतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि ह्यभगवाह्न राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनैतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनैतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी 'परिवर्तन की आंधी' का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनैतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए 'महाभूकंप' को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दर्शाता है कि बंगाल की जनता 'सिंडिकेट राज' और 'कट मनी' की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने 'बंगाली अस्मिता' के साथ 'राष्ट्रीय विकास' के समन्वय को स्वीकार किया है। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'जल जीवन मिशन' जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया 'लाभार्थी वर्ग' तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है। असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की 'हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन ने राजनैतिक भूगोल को इस तरह बदला कि घुसपैठ और बाहरी प्रभाव की राजनीति हाशिए पर चली गई और 'असमिया राष्ट्रवाद' का नया स्वरूप उभरकर सामने आया। दक्षिण भारत के राजनैतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनैतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनैतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया। यह परिणाम कमल हासन और विजयकांत जैसे पूर्ववर्ती सितारों की तुलना में कहीं अधिक गहरा है क्योंकि विजय ने 'बौद्धिक राजनीति' के बजाय ह्यजमीनी और मास-अपीलह्न वाली राजनीति को चुना। तमिलनाडु का यह जनादेश द्रविड़ राजनीति के भविष्य को एक नई दिशा देने वाला है, जहां अब 'तीसरी शक्ति' केवल संभावना नहीं बल्कि एक हकीकत बन चुकी है। केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां 'एक बार इधर, एक बार उधर' की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की यह प्रचंड वापसी यह दर्शाती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकोषीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। विभिन्न घोटालों ने एलडीएफ की नैतिक साख को जो चोट पहुंचाई, उसकी भरपाई उसकी जनहितैषी योजनाओं से भी नहीं हो सकी। राहुल गांधी की वायनाड में सक्रियता और 'न्याय' जैसी योजनाओं के वादे ने कांग्रेस नीत यूडीएफ के पक्ष में एक सकारात्मक माहौल बनाया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाइयों और मुस्लिमों के बीच उपजे असंतोष ने सत्ता के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया। केरल का मतदाता यह संदेश दे रहा है कि वह किसी भी दल को 'टेकन फॉर ग्रांटेड' नहीं लेता और सत्ता की चाबी हमेशा जनता के हाथ में रहती है, जो हर पांच साल में शासन की समीक्षा बड़ी निर्ममता से करती है। पुडुचेरी जैसे छोटे केंद्रशासित प्रदेश ने भी यह दिखाया कि राजनीति में स्थिरता और केंद्र के साथ तालमेल का कितना महत्व है। एन. रंगासामी की सहज छवि और भाजपा के साथ उनके गठबंधन ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि विकास के लिए केंद्र और स्थानीय सरकार का एक पटरी पर होना जरूरी है।

किशनगढ़ में जीआरपी कांस्टेबल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

मदनगंज-किशनगढ़। भीलवाड़ा जिले में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें रेलवे पुलिस के दो जांबाज जवानों और चोरी के एक आरोपी की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ जब पुलिस टीम एक पकड़े गए आरोपी को लेकर वापस लौट रही थी। हादसे में हरमाड़ा एवं हाल लोहार कॉलोनी, चमड़ाघर निवासी लेखराज बागड़ी की मृत्यु हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। कांस्टेबल लेखराज के शव को उनके पैतृक निवास किशनगढ़ लाया गया, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस बल की टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया और नम आंखों से विदाई दी। लेखराज के परिजनों को तिरंगा सौपते हुए सभी की आंखे नम हो गई। अंतिम विदाई के दौरान लेखराज अमर रहे के नारे लगते रहे। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि

और ग्रामीण मौजूद रहे। जीआरपी चौकी भीलवाड़ा की पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह रेलवे स्टेशन से सूचना मिली थी कि स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध चोर को पकड़ा है। सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल लेखराज और कांस्टेबल रविंद्र मौके पर पहुंचे और आरोपी को हिरासत में लिया। जब दोनों पुलिसकर्मी आरोपी को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर चौकी की ओर ले जा रहे थे, तभी रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हेड कांस्टेबल लेखराज और कांस्टेबल रविंद्र की मौके पर ही मृत्यु हो गई। आरोपी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे तुरंत अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

कंगारू केयर अवेयरनेस से मां-बच्चे के भावनात्मक संबंध मजबूत

शिवकुमार शर्मा

कागज की कश्ती/किशनगढ़। राजकीय यज्ञनारायण चिकित्सालय एसएनसीयू विभाग में अंतरराष्ट्रीय कंगारू केयर अवेयरनेस-डे मनाया गया। कंगारू मदर केयर स्टेबल, ढाई किलो से कम के बच्चों को दी जाती है इसमें बच्चों को मां की त्वचा से त्वचा के संपर्क में रखा जाता है। मां के अलावा कंगारू मदर केयर दादी, नानी, पिता या परिवार का कोई भी सदस्य दे सकता है बशर्ते वह स्वस्थ हो। एसएनसीयू प्रभारी प्रदीप गुप्ता ने बताया कि कंगारू मदर केयर 1 घंटे से अधिक समय से लेकर 24 घंटे तक कितनी भी दी जा सकती है। एसओडी पीडियाट्रिक डॉ. परसाराम चौधरी ने सभी माताओं को कंगारू मदर केयर के फायदे बताते हुए कहा कि इसमें मां व बच्चे का भावनात्मक संबंध मजबूत बनते हैं। मां के मिल्क भी

ज्यादा आता है और मां-बच्चे की बॉन्डिंग भी अच्छी बनती है। इसके अलावा बच्चों को भी कई फायदे हैं। जिसमें बच्चे का तापमान नियंत्रित रहना, बच्चे का वजन बढ़ना, इंफेक्शन से बचाव, बच्चा सांस लेना नहीं भूलता, बच्चों का ग्रोथ व डेवलपमेंट अच्छा होता है। इससे मां का तनाव कम होता है। मदर केयर देते समय मां अपने बच्चे को दूध भी पिला सकती है, इससे बच्चों में पांच संवेदनाओं का विकास होता है। जिसमें स्पर्श, सूंघने का, स्वाद का, सुनने का व देखने के क्रिया विकसित होती है। जो बच्चे नली से दूध पीते हैं उनको कंगारू मदर केयर देते हुए ट्यूब फिटिंग भी कराई जाती है। जो बच्चे 32 वीक से कम वजन के होते हैं उनको नॉन न्यूट्रिटिव सकिंग कराई जाती है। इस मौके पर अस्पताल के डॉ. सुरेंद्र काजला, एलएमयू इंचार्ज नीलम मालाकार, एसएनसीयू नर्सिंग इंचार्ज प्रदीप गुप्ता, खुशी मेघवाल, आरिफ मोहम्मद, नरेश कंवर आयशा, इलियास आदि उपस्थित रहे।

जिम ट्रेनर परलड़कियों के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

मदनगंज-किशनगढ़। मदनगंज थाना इलाके में एक जिम ट्रेनर द्वारा मयादाओं को तार-तार करने वाला मामला सामने आया है। जिस ट्रेनर पर लोग फिटनेस और सुरक्षा का भरोसा करते थे, वह जिम में हिडन कैमरे लगाकर लड़कियों के अश्लील वीडियो बना रहा था। इस पूरे मामले का खुलासा किसी और ने नहीं, बल्कि आरोपी की स्वयं की पत्नी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर किया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी जिम ट्रेनर एक मारपीट के मामले में जेल गया हुआ था। पीछे से जब उसकी पत्नी ने उसका मोबाइल चेक किया, तो उसमें कई लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो और फोटो मिले। इतना ही नहीं, आरोपी ने अपनी पत्नी के भी अश्लील वीडियो बना रखे थे।

पीड़िता ने आरोप लगाते हुए पुलिस को बताया कि उसका पति जिम में आने वाली लड़कियों के गुप्त तरीके से वीडियो बनाता था और फिर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता था। जब पत्नी ने इस घिनौने काम का विरोध किया, तो आरोपी ने उसे भी धमकाया और उसका खुद का वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी। पत्नी ने ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर भी इस कृत्य में पति का साथ देने का संदेह जताया है। मदनगंज थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है। आरोपी के मोबाइल को साक्ष्य जुटाने के लिए जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इधर पुलिस टीम ने जिम में पहुंच कर प्रारंभिक जांच के साथ ही हिडन कैमरों की तलाशी ली है। पुलिस का कहना है कि मोबाइल रिकवरी और तकनीकी जांच के बाद मामले में आगे कुछ कहा जा सकेगा।

भिवाड़ी में पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर, युवाओं को मिलेंगे हाईटेक रोजगार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान अब पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। भिवाड़ी के सलारपुर-खुशखेड़ा क्षेत्र में स्थापित प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर राज्य के औद्योगिक इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ है। यह क्लस्टर देश की पहली एसएमई सेमीकंडक्टर फैसिलिटी है, अब तक 1200 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सहस्रा सेमीकंडक्टर्स, सहस्रा इलेक्ट्रॉनिक्स और ई-पैक ड्यूरेबल सहित 11 कंपनियों ने 900 करोड़ के निवेश के साथ संचालन शुरू कर दिया है। इससे करीब 2700 लोगों को रोजगार मिला है। वर्तमान में यहां 6 करोड़ यूनिट वार्षिक पैकेजिंग क्षमता है, जिसे अगले कुछ वर्षों में 40 से 60 करोड़ यूनिट तक बढ़ाने की योजना है। राज्य सरकार की राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026 और रिप्स टू स्टार्टअप कार्यक्रम के जरिए युवाओं को चिप डिजाइनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीक का प्रशिक्षण दिया है। राजस्थान के 9 संस्थानों में विश्वस्तरीय इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन उपकरण उपलब्ध कराए हैं।

'कागज की कश्ती' के विमोचन समारोह की झलकियां